New Era High School, Panchgani

Assignment 3 **Class VII**

Subject	**HINDI**
विषय	**हिंदी अमृत संचय**
शीर्षक	**फूल का मूल्य**
Time Line	**11th May TO 16 May 2020**
मूल्य शिक्षण	***गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगौर की रचनाओं से परिचित कराना |** ***प्रकृति तथा अध्यात्म का परिचय देना |** ***महात्मा बुद्ध के महात्मय की झलक दिखाना |** ***धन की अपेक्षा आत्मिक सुख शांति पर बल देना |** ***कहानियों के प्रति रूचि बढ़ाना |** ***संवेदनशीलता का अनुभव कराना |**
सहायक सामग्री	संक्षिप्त सारांश और पाठ्य पुस्तक | यदि link उपलब्ध न हो तो दिया गया सारांश ही पर्याप्त है | https://www.youtube.com/watch?v=59a2f-gnZiQ https://www.youtube.com/watch?v=uYhq4qBCm7Y
संकेत शब्द	**प्रचंड-उग्र/ भयानक, शीतकाल-सर्दी का समय, पुष्पविहीन-फूलरहित, श्रीहीन-सुन्दरतारहित, वाद्य-यंत्र/बाजे, तथागत-भगवान् बुद्ध, अद्भुत आभा-अनोखी शोभा, स्मितरेखा-मुस्कराहट, निर्मिमेष-एकटक लगातार देखना, अलौकिक सुख-ऐसा सुख जो इस लोक में न मिलता हो या अपूर्व सुख|**

पूर्वज्ञान	**महात्मा बुद्ध के बारे में आप जानते ही होंगे	वे बौद्ध धर्म के प्रवर्तक रहे हैं उनकी शिक्षाओं में प्रत्येक जीव से प्रेम करना प्रमुख रहा है	हमारे राष्ट्रीय गान से रचयिता रवीन्द्रनाथ जी उनकी शिक्षाओं से अति प्रभावित थे प्रस्तुत कहानी उनके जीवन की महानता की छोटी सी झलक मात्र है जिसके द्वारा वे बताना चाहते हैं कि उनके सान्निध्य में आने वाला कोई भी व्यक्ति उनके प्रभाव से अछूता नहीं रह सकता था धन की अभिलाषा भी उनके दर्शन मात्र से जाती रहती थी	जीवन के बारे में उनका यही दृष्टिकोण था जो इस कहानी में दर्शाया गया है:** **"ख़ुशी हमारे दिमाग में है	ख़ुशी पैसों से खरीदी गई चीजों में नहीं बल्कि इस बात में है कि हम कैसा महसूस करते हैं	वास्तव में ख़ुशी हमारे मस्तिष्क में है	"**
मुख्य पाठ	***<u>मुख्य पाठ (सारांश)</u> : कक्षा सात की* अमृत संचय** गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर की लघु कथाओं पर आधारित है	प्रस्तुत प्रथम पाठ **फूल का मूल्य** का सारांश कुछ इस प्रकार है: **प्रचंड शीतकाल** होने के कारण पौधे **पुष्पविहीन** थे	जिस कारण वे **श्रीहीन** लग रहे थे	ऐसे में सुदास माली के बगीचे के सरोवर में एक सुन्दर **सहस्रदल** कमल खिला	प्रसन्न मन से उसने उस फूल को राजा प्रसेनजीत को भेंट करने का निश्चय किया जिससे उसे अच्छा धन प्राप्त हो सके	वह महल की ओर चल दिया	राजा को सन्देश भेजकर उनके महल के द्वार पर उनके बुलावे का इंतज़ार करने लगा	इतने में एक सज्जन पुरुष का ध्यान उस पुष्प ने आकर्षित कर लिया वे उस पुष्प को बुद्ध के चरणों में अर्पित करने की इच्छा रखते थे	उनके पूछने पर सुदास ने उस पुष्प के मूल्य के रूप में एक माशा स्वर्ण पाने की इच्छा व्यक्त की	सज्जन सहमत हो गए उसी समय राजा का महात्मा बुद्ध के दर्शनों हेतु वाद्ययंत्रों के साथ वहां से जाना हुआ	पूजा की थाल में पुष्प की कमी थी अतः उन्होंने भी

	वही पुष्प लेने की इच्छा जताई इसपर सुदास ने पुष्प सज्जन को पहले ही देने की बात कही	राजा ने तुरंत उसका दस गुना दाम देने का प्रलोभन दिया	प्रति उत्तर में सज्जन भी बीस माशा स्वर्ण देने की बात कहने लगे इस प्रकार बोली बढ़ने लगी	सुदास ने सोचा कि जिस व्यक्ति को ये दोनों इतनी कीमत देकर यह पुष्प देना चाहते हैं क्यों न मैं ही उसे दे दूँ जिससे मुझे और अधिक धन प्राप्त होगा	यह सोचकर वह गौतम बुद्ध की ओर चल पड़ा | सुदास भगवान् **तथागत** के प्रताप से अनजान था	जब वह पुष्प लेकर उनके समक्ष वटवृक्ष के नीचे पहुँचा तब उनके चेहरे की **अद्भुत आभा** देखकर मुग्ध हो उठा उनके होठों की **स्मित हास्य** में वह होश हवाश कुछ भूल कर उन्हें **निर्निमेष** निहारने लगा	धन पाने की अभिलाषा से लाया वह पुष्प उसने उनके चरणों में यूँ ही अर्पित कर दिया	उसे उस समय अपार **अलौकिक** सुख का अनुभव हुआ| महात्मा बुद्ध ने उससे पूछा, " हे वत्स! क्या चाहिए? क्या इच्छा है?" तृप्त मन से उसके मुँह से बस इतना ही निकला, " कुछ नहीं, बस आपका आशीर्वाद चाहिए |" संभवतः धन से ज़्यादा महात्मा बुद्ध का सान्निध्य उसे सुख का अनुभव करा गया	
संक्षिप्त पुनरावृत्ति एवं अभ्यास हेतु प्रश्न	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सुन्दर और सुवाच्य अक्षरों में लिखें| 1. पौधे श्रीहीन क्यों थे? 2. माली कौन होता है उसका क्या काम होता है? इस पाठ के माली का नाम क्या था?

	3. क्या माली, गौतम बुद्ध को, कमल अधिक दाम में बेच सका? कारण बताइए| 4. कहानी पढ़कर आपने क्या अनुभव किया अपने शब्दों में लिखिए| 5. प्रकृति में फूलों का क्या महत्त्व है ? हम कहाँ - कहाँ इनका उपयोग करते हैं? 6. क्या आपने भी कभी किसी को बिना मूल्य कुछ देकर इस सुख का अनुभब किया है? किस प्रकार? लिखिए| 7. इस पाठ में कमल की चर्चा की गई है | हमारे देश में कमल का क्या महत्त्व है?
गतिविधि	*अपने घर के बगीचे में उपस्थित पौधों की सूची बनाइए | *उनमें कौन-कौन से पौधे फूलों के हैं उनके नाम लिखिए | *उन पौधों की देखभाल आप किस प्रकार करते हैं लिखिए व् उसकी फोटो खींचकर भेजिए | *इस अलौकिक सुख का अनुभव करने के लिए lockdown की स्तिथि में किसी ज़रूरत मंद की मदद कीजिए |
आवश्यक दिशा निर्देश	*दिए गए कार्य को हिंदी की कॉपी में करके स्कैन कीजिये या स्पष्ट फोटो खींचकर दी गए email पर भेजिए kalpana.chaurasia@nehs.in *कार्य 16th of May, 2020 से पहले जमा किया जाना चाहिए | *विद्यालय खुलने पर कॉपी साथ लाना आवश्यक है . कार्य निम्नलिखित पैमानों के आधार पर जाँचा जाएगा : • समय पर जमा किया गया कार्य . • प्रस्तुतीकरण व् सुवाच्य लेखन . • सृजनात्मकता. • भाषा शैली व् शब्दज्ञान |.
सूचना	*किसी की मदद के लिए हाथ बढ़ाना आपका व्यक्तिगत अधिकार है |

	इसमें किसी प्रकार की बाध्यता नहीं | * विज्ञान ने भी माना है कि पौधों में भी जीवन होता है| अतः जब भी आप पौधों से फूल तोड़ें, खींचकर नहीं कैंची की मदद से काटकर तोड़ें जिससे पौधों को दर्द का एहसास न हो	

Subject Teacher:Ms. Kalpana Chaurasia